माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

वर्ष–2022

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
पशुपालन, मुर्गीपालन	4	3	0	हिंदी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

म.प्र. भोपाल

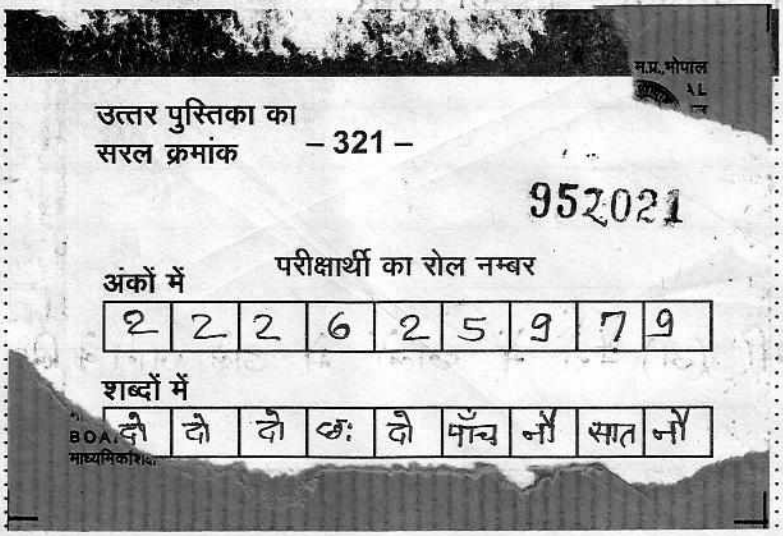

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 –

952021

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	2	6	2	5	9	7	9

शब्दों में

दो	दो	दो	छः	दो	पाँच	नौ	सात	नौ

BOARD
माध्यमिक शिक्षा

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में [X] शब्दों में [X]

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [01]

ग – परीक्षा की दिनांक [21 | 02 | 22]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा क्रमांक–261011

हायर सेकेण्डरी परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
अनन्तकुमार (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्[ताक्षर एवं निर्धार]ित मुद्रा

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल प[रीक्षा] में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्र[श्न] पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार [व] स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तां[क (अंकों] में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

Oddy
Laser, Inkjet & Copier La[bel]
99.1mm x 33.9mm x 16
[L]abel ST-16 A4

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करें और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

प्रश्न क्रमांक - 1 का उत्तर

i) (अ) 9.3 cal

ii) (अ) प्रोटीन

iii) ~~(द) उपर्युक्त सभी~~ (अ) बे छालों में डाले जाने के लिए

(स) कब्ज

v) (स) विषाणु

प्रश्न क्रमांक - 2 का उत्तर

i) 50-70 बार

ii) क्लॉस्ट्रीडियम सोवियाई

iii) पाश्चुरेला बुबेलीसेप्टिका

iv) बारे

v) ~~बुल्होल्डर~~ ~~बुल्लोज पंच~~ लोहे

भोजन

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARY

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - उ का उत्तर

i) सानेन	(a) नाइफन
ii) मराड़ी	(b) स्कॉच हैंड
iii) अल्पाइन	(c) अमीका
iv) मक्खन काटने की मशीन	(d) स्विट्जरलैण्ड
v) मक्खन पलटने का यंत्र	(e) फ्रॉंस
	(f) चीन

MPBSE

मध्यप्रदेश

पृष्ठ 4 के अंक कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न क्रमांक - 4 का उत्तर

i) लैक्टोबेसिलस

ii) 26%

iii) ~~24%~~ 24%

iv) लेक्टोज

v) 95%

vi) छोटी आँत

प्रश्न क्रमांक - 5 का उत्तर

i) सत्य

ii) असत्य

iii) असत्य

iv) असत्य

v) असत्य

vi) सत्य

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 6 का उत्तर

पशुओं में विषाणुजनित रोग निम्न हैं –
(i) ...रपका – मुँहपका रोग
... प्लेग

M P B S E

प्रश्न क्रमांक – 7 का उत्तर (अथवा)

रोगों की रोकथाम के उपाय निम्नलिखित हैं –

(i) पशुओं को सार्वजनिक चारागाह में चरने न भेजें क्योंकि इससे संक्रामक रोग शीघ्रता से फैलते हैं।

(ii) रोग रोकथाम हेतु सभी पशुओं का टीकाकरण करवाएँ, यदि रोग क्षेत्र में फैल चुका है तो स्वस्थ्य पशु...) एण्टी सीरम इंजेक्शन लगवाएं।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSEC

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 8 का उत्तर

मछली आहार के दो प्रकार निम्न हैं -

(i) वनस्पति मूल का आहार - इसमें मछली को सोयाबीन का चूरा, घास, पिसी दालों का चूर्ण, गेहूँ, चावल की भूसी आदि खाद्य पदार्थ मछलीयों को दिये जाते हैं।

जन्तु मूल का आहार - इसमें रक्त, माँस, हड्डी का रा, कीड़े, प्यूपा, छोटे जलीय जीव आदि छली को भोजन में दिये जाते हैं

MPBSE

प्रश्न क्रमांक - 9 का उत्तर

सानेन बकरी का मूल स्थान स्विटजरलैण्ड है।

एकविशेषताएँ - (i) यह सफेद या क्रीम रंग की होती है जो की विश्व में सर्वाधिक दूध देने वाली बकरी है। इसलिए इसे दूध की रानी कहते हैं।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -10 का उत्तर (अथवा)

घी के नवीनीकरण के दो लाभ निम्नलिखित हैं -

पुराने रखे हुए घी को नए ताजे घी में मिलाया जा सकता है।

का बाजार मूल्य अधिक प्राप्त होता है। क्योंकि करण करने से घी की सुगंध एवं सुवास बदल है।

प्रश्न क्रमांक -11 का उत्तर (अथवा)

खोआ बनाते समय निम्न दो सावधानियाँ रखनी चाहिए -

(i) खोआ के लिए प्रयुक्त दूध स्वच्छ, ताजा हो तथा उसमें पानी न मिला हो यदि दूध में पानी होगा तो खोआ की गुणवत्ता कम हो जाती है।

(ii) खोआ बनाते समय न तो तापमान बहुत अधिक हो और न ही तापमान बहुत कम होना चाहिए। तथा खोआ को लगातार 120 - 160 बार प्रति मिनट हिलाते रहना चाहिए।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

M P B S E

प्रश्न क्रमांक - 12 का उत्तर

दुग्ध चूर्ण — दूध दुग्ध चूर्ण दूध से निर्मित वह पदार्थ है जो कि दूध में से उसकी नमी निकालने के पश्चात बचता है तथा इसमें कुल ठोस पदार्थ 95% तक होता है। इसके निर्माण हेतु किसी भी तरह दूध को सुखा लिया जाता है।

बनाने की विधि — वायुमण्डलीय बेलन शुष्कन विधि

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

आदर्श कुक्कुटशाला के दो गुण निम्न हैं —

(i) आदर्श कुक्कुटशाला धरातल से कम से कम दो फुट (60 cm.) ऊँची हो क्योंकि ऊँचाई पर पानी भरने का डर नही रहता है तथा कुक्कुटशाला शुष्क रहती है।

आदर्श कुक्कुटशाल साफ - सुथरी होती है तथा कुक्कुटशाला में सभी आवश्यक उपव आधुनिक उपकरण होते है।

www.oddyindia.com

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 14 का उत्तर

विटामिन्स के तीन कार्य निम्न हैं–

(i) विटामिन शरीर की रोगों से रक्षा करते हैं तथा प्रतिरक्षी तंत्र को मजबूत करते हैं।

(ii) विटामिन पशु को प्रजनन में सहायक होते हैं Vit – E की कमी से बाँझपन की समस्या होती है।

(iii) विटामिन आँखो की ज्योति, हड्डियों के विकास, में सहायक होते हैं। कैल्शियम तत्व Vit – D की उपलब्धता में ही कार्य करता है।

प्रश्न क्रमांक-15 का उत्तर

भारत में साइलेज के कम प्रचलन के निम्न कारण हैं–

(i) सर्वप्रथम तो भारत का गरीब किसान साइलेज के बारे में जानता ही नहीं है क्योंकि न ही साइलेज का कभी प्रचार – प्रसार किया गया और न ही सरकार ने इस ओर ध्यान दिया।

(ii) ...ज हेतु तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है। ...यथा बिना सही ज्ञान के साइलेज बनाने से वह ...ली तथा फफूंदी युक्त हो जाती है।

(iii) ...लेज हेतु साइलो बनाने की जरूरत होती है और साइलो पिट हेतु स्थान की जरूरत होती है और भारतीय किसान के पास वैसे ही जोत का आकार छोटा होता है। इसलिए वह साइलेज नहीं बनाता है।

MPBSE

प्रश्न क्रमांक - 16 का उत्तर

ग्याभिन गाय के तीन लक्षण निम्न हैं -

(i) ग्याभिन गाय पुन: ऋतुमयी नही होती है तथा वह सांड को अपने आस - पास भी नही आने देती है।

(ii) पाँचवे माह में गाय की कोख पर हाथ रखने पर बच्चे की धड़कन सुनी जा सकती है।

(iii) गाय का अयन विकसित होने लगता है, उसकी वह अधिक आराम करना पसंद करती है कुछ गायें ब्याने के कुछ महीने पूर्व दूध देनी भी बंद कर देती है।

MPBSE
Label ST-16A4 66

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक-17 का उत्तर (अथवा)

बर्ड फ्लू के तीन लक्षण निम्न हैं—

(i) बर्ड फ्लू से ग्रसित पक्षी की गर्दन मुड़ जाती है तथा उसे लकवा मार जाता है।

(ii) रोग से ग्रसित पक्षी कमजोर हो जाता है तथा वह ~~खाना~~ दाना चुगना बिल्कुल कम कर देता है या बंद कर देता है।

(iii) [illegible] फ्लू से ग्रसित पक्षी शीघ्र ही मर जाते हैं तथा कभी - कभी वह लक्षण भी नही दर्शाते हैं। दुर्गंध युक्त बीट देती हैं।

M
P
B
S
E

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -18 का उत्तर (अथवा)

पशु चिकित्सा में उपयोगी उपकरण एवं एक उपयोग -

उपकरण		उपयोग
(i) प्रोब	-	प्रोब का उपयोग घाव की गहराई नापने में किया जाता है।
(ii) बर्डियो ~~कास्ट्रेटर~~ कास्ट्रेजर	-	इस यंत्र का उपयोग नर पशुओं को बधिया करने में किया जाता है।
(iii) कैथेटर	-	इस का उपयोग पशु की पेशाब बंद हो जाने पर पेशाब निकालने में किया जाता है। लेकिन इससे केवल उन पशुओं की पेशाब निकाली जाती है जिनकी पेशाब नली सीधी हो।
...कार एवं ...चा	-	पशुओं को अफरा हो जाने पर इस यंत्र के द्वारा पशु के पेट की गैस निकाली जाती है।

M P B S E

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -19 का उत्तर (अथवा)

भारत में मुर्गीपालन के पाँच महत्व निम्नलिखित हैं-

(i) मुर्गीपालन के द्वारा लोगों को रोजगार प्राप्त होता है उन्हें वर्ष भर इस उद्योग से आय की प्राप्ति होती रहती है।

(ii) मुर्गीपालन पशुपालन की तरह ही राष्ट्रीय आय में वृद्धि करती है।

(iii) मुर्गीपालन करने से उत्तम किस्म की ~~खाद्य~~ खाद प्राप्त होती है। मुर्गी की विष्ठा से प्राप्त खाद ... N:P:K अनुपात क्रमशः 3:2:2 होता है। ऐसा अनुमान है कि 40 मुर्गियों से एक वर्ष में एक टन खाद प्राप्त की ...ा सकती है।

(iv) मुर्गीपालन का कार्य शुरु करने हेतु अधिक धन एवं पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है साथ ही यह उद्योग किसी ~~खास~~ खास तकनीकी ज्ञान के बिना भी शुरु किया जा सकता है।

(v) मुर्गीपालन से अण्डा, गोश्त के अलावा पंख भी प्राप्त किये जाते हैं। अण्डा एवं गोश्त प्रोटीन के अपार भण्डार होते हैं तथा यह वनस्पति प्रोटीन से सस्ते पड़ते हैं, इसलिए भारत में ~~इसका~~ इस उद्योग का भविष्य अत्यंत उज्जवल है।

M P B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 20 का उत्तर

मुर्गी आहार में जल के कार्य निम्नलिखित हैं -

(i) जल रक्त को पतला बनाता है। तथा भोजन को रसीला बनाता है।

(ii) जल भोजन में सर्वविलायक का कार्य करता है।

(iii) जल शरीर के तापमान को भी नियंत्रित करता है। जल में घुलनशील विटामिन B, C शरीर को ~~जल द्वारा~~ अतिआवश्यक होते हैं।

(iv) जल के द्वारा हानिकारक लवण पेशाब में घुलकर शरीर से बाहर निकलते हैं।

(v) जल की अधिक कमी होने पर मुर्गियों [redacted] मृत्यु भी हो जाती है।